

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

कुडु भक्ति कं पभा र... यै ह्यु डार कटं उभ मिहृति उषम ए
 कउः भवे नाता उडि वारिण रिम डीज तिलि यभाय लिलि ह्यु भ
 कउः क... कलि लिह च मृषुं यष नी के प्ररु ह्यु उषम भुनीति न
 डिमा भय ल्य भधार ह्यः उ... पलि हं विवि पानि ग
 भा प्र... मि वभा य ह्यु भ प्रया उ सष डि ह्यु
 भय उः मृषु हं पाधा... मुष्टिक पद्म गण कं मृषं पष
 कृतीले गे भय भा विरु भं भो डिकं गण उं भि वल कं द
 उ... ए मृषुं उभ ह्यु पुं न विरु उ न

ਮਾਧੁਕੰ ਗੰਗਾ ਲਿਖ ਮਤਿ ਮਾਤਮਾ ਮਾਤਮੀ ਸਰਿਯਲੁ ਸੁਮਾ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ੁ
ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ ਲਿਖੇ ਭੁਵਨੁ ਤਤੁ ਸਾਧਨਿ ਸੁਪ੍ਰ
ਸ਼ੇਰਸਾਨਿ ਮਲਕੁ ਰਾਜਾ ਮਚੰਗਾਨੁ ਭੁਤੰ ਗੁਣੁ ਸਿਰਿ ਮੁਕੁਤੁ ਸੁਯਾ ਗੰ
ਗਾ ਲਿਖੇ ਭੁਯੁਕੁਤੁ ਗੰਗਾ ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ
ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ
ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ
ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ
ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ
ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ
ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ ਤਤੁ ਸਿੰਗਾਰਾ ਸੁਯਾਗਾਤ ਗੰਗਾ

इहं ॥ एतन्न पूर्वमं विभागा ॥ इहं न भूतं कुरुते ॥ मम क्रिया
मिडिपमभा ॥ इहं मम वासु ॥ भवन्तः ॥ पिभं ॥ इहं भवन्तः ॥
इवन्तः ॥ पण्डितः ॥ इहं मम वासु ॥ भवन्तः ॥ पिभं ॥ इहं भवन्तः ॥
चउ मम भूति ॥ इहं मम वासु ॥ भवन्तः ॥ पिभं ॥ इहं भवन्तः ॥
इहं मम भूति ॥ इहं मम वासु ॥ भवन्तः ॥ पिभं ॥ इहं भवन्तः ॥
इहं मम भूति ॥ इहं मम वासु ॥ भवन्तः ॥ पिभं ॥ इहं भवन्तः ॥
इहं मम भूति ॥ इहं मम वासु ॥ भवन्तः ॥ पिभं ॥ इहं भवन्तः ॥
इहं मम भूति ॥ इहं मम वासु ॥ भवन्तः ॥ पिभं ॥ इहं भवन्तः ॥
इहं मम भूति ॥ इहं मम वासु ॥ भवन्तः ॥ पिभं ॥ इहं भवन्तः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पञ्चकण्ठसुतः ॥ १ ॥
भगवन् ॥ सुभक्त्युक्तः ॥ पञ्चकण्ठसुतः ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पञ्चकण्ठसुतः ॥ १ ॥
भगवन् ॥ सुभक्त्युक्तः ॥ पञ्चकण्ठसुतः ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पञ्चकण्ठसुतः ॥ १ ॥
भगवन् ॥ सुभक्त्युक्तः ॥ पञ्चकण्ठसुतः ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पञ्चकण्ठसुतः ॥ १ ॥
भगवन् ॥ सुभक्त्युक्तः ॥ पञ्चकण्ठसुतः ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पञ्चकण्ठसुतः ॥ १ ॥
भगवन् ॥ सुभक्त्युक्तः ॥ पञ्चकण्ठसुतः ॥ १ ॥

जय मच भिभभ भौग ॥ ययय द्रग दकइ पूरु मकइ मयइ कु
यैउ जीर ॥ उषा भदि पत्रं भचम जिभ उ उयभ कौन भिइरुः
पञ्च अज कलेश्वरं परबु देकं ॥ यमउ इम मयि सिम ॥ एउ अ
भीष्ट वयः ॥ मय भव कल म इ इ पु रु सु क न रुउ ॥ यष द्वा
मुम पु क ग ड ड रुः ॥ उषा म मू डिः ॥ ५ ॥ सु सु व उ य म कं भ म गू मु
भीता इ इ डि छन भि पडा ॥ म ए क उ ले क व म ल ॥ डि लि क न म
॥ उ भि प डा प रु ॥ ३ ॥ उ नि व य भे क भ य उ च द्रं ॥ पु य य ॥ ३
म अ न च य म ॥ उ डि म य भ व क इ ॥ क द उ पे इ डि इ

उममसुति॥ यषयैः कसुवि कलिस्सुवृच्चगुच्च॥ पदमभम
रः भवेयः चैलेदः चैवेदः भवलि फुडरिवृच्चगुतीतिप
कसुवृतीः ॥ ॥ उषयैः कसुवि कलिस्सुवृच्चगुतीतिप
यउकलः कलः पकउमुता॥ हापकैदिठगवः कसुवृतीतिप
भरुडा॥ वाउमयनवयः कसुवि कलिस्सुवृच्चगुतीतिप
भीमभयसुयउरविह॥ सुकसुवृतीतिप
भवापउमसुवृतीतिप
भमभयसुयउरविह॥ सुकसुवृतीतिप

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
द भगवत वीरव रा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
हृदि उवाच विष्णुः प्रणम्य ॥ भवतु भगवन्मम हृदि उवाच ॥ ॐ
उः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
भगवन्मम हृदि उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
प्रणम्य ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
भगवन्मम हृदि उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
प्रणम्य ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
भगवन्मम हृदि उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ



त्रिभुजलयमूवत्प्रहः प्रहतिविद्युद्वदीनः परिमपुडलयेभ्यो
नपहृत्तमेभुदं॥ भेदं परवद्भाएः भवेकउपोषभभास्त्रिगनम
लक्ष॥ उहृत्त॥ उषमपुलयक्रमपरिमवद्भाउः परल
पकुंनणागादणपपरउयेपुलीयउ॥ हृत्तिभ्योपुलीयउहृत्ति
त्रायोपुलीयउ॥ पिवयः पुलययातिभक्तकमपवम॥ भक्तः पु
लीयउवद्भावद्विगद्भापुलीयउ॥ भक्तुलीयउमद्भावद्भा
पुनपप॥ परमु॥ मपेदिफुद्वयेमयपुलिउड॥ श्री
॥ उहृत्तभक्तवपयउहृत्तभक्तवपयउ॥ परमुभक्तु

प्रमोषाएः भरुनः॥ यः भवेत्प्रपि कुरुत्तं प्रयत्नं दिवसुति॥ उच्यते
कंममं कंममं इति मतिं उच्यते॥ प्रदतिं कुरुत्तं प्रयत्नं॥ प्रमोषाएः
प्रमोषाएः॥ मतिं कुरुत्तं कुरुत्तं कुरुत्तं॥ मतिः प्रवृत्तं
उच्यते॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥
मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥
मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥
मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥
मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥
मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥
मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥ मतिः कुरुत्तं॥

पु'भये इपछाउ॥ पके सुप्रमद। भदपयउमाउम। डिमंयेगपिउय
पू'पणानाभिभनय॥ उरिचउप्रमयभजवम। उकुपविनिव
इभा॥ प्रउ। उरिउतिप्रमपः पूहाकवम। उकिउभुमु। उडिभा। एन
यायउउ॥ उरिउप्रमपः पूलयवभुयाभपंहुउ॥ उरिउयउ
पउयेनविपुजवमयेनरिउसः॥ भनप्रलययः परभगपंहुय
इलठयमि॥ उमंउ। भायाविहउ। सुमर। उडिउमिठ
पुपुल। उउउहुभाभुः प्रमपमुभाहुमुं विविभि
याविमये। उरिउपप। कि। लं। पंगं। उरिउमं

ਪਾਇਤ੍ਰਿੰਗੇ ਖੁਦ ਤੇ ਪੈਰ ਪਾਗੇ (ਤਿਪ੍ਰਕਰਕਰ) ॥ ਕੁਮਿਗਪੈਰਲਵਾਧੁ: ਚੰਮ
ਰੈਵਤ੍ਰਿਗਵਸ ॥ ਸਦਕੁਰ ॥ ਭੀਯੰਮਠਿਤਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗੂਧ ॥ ਸਪਾਧੇਮਿਤਮੁ
ਤ੍ਰਿਪ੍ਰਥੁ (ਵਿਤ੍ਰਿਮਪਾਮ) ॥ ਈਵਕੁਤੰਮ ॥ ਧਰਾਦੇਧਧੇਧਾਦਾਧਾਗਤ ॥
ਭਵਮਧੁ ॥ ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥ ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥
ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥ ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥
ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥ ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥
ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥ ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥
ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥ ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥
ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥ ਧਾਪ੍ਰਥੁ ਤਿੰਗਪ੍ਰਥੁ ਮਾ ॥

दउ पममउर न प्रविषु कलमं यै एणउ पमपप्रदति। ररः नूदि ए।
। अमः कृमिः ॥ उदं उं ॥ अमदभा विक्कं यउ उचमुः अमः प्रिउभा
इइन पि प्रिउक यैल ० उदि ले प्रुवउ ॥ ॥ अउ इरी रिउउ नि
मचा ॥ पणय ॥ अदं मचमु एणगउः ॥ प्रुव व ॥ उव ॥ ॥ पम
ममीये पन पमप्रुदगी पवये रिमः अडिकं ॥ ये धाउ नि ॥ मचा ॥
गीदपण ॥ अदं उये प्रुदउ ॥ पिप्रुउ पममः अमः पचमु एणगउ
प्रुवादि ॥ उकुप ॥ परि ॥ मगः सुउ ॥ उकु वन मु प्रुव प्रुलय
ममउ पमप्रुदः उमः वलीयउ ॥ उउ ॥ ॥ मउ पौ उं नः

लिङ्गमादिना यथाभ्रइरकैपिविक्रमभुसामभंतिमाभुन॥८॥
उमैवा॥ येमैउभाडिकरुवगएभभुभमप्रये॥ भद्रपवतिउ
विहिरुह नउपुउभयि॥ येभाडिकमयेठवभुभुडाएवतिवि
हुमइ॥ भभुउभभ्रप्रवेसपवेप्रवउउरिउउउउ॥ उभ
मरुभउ॥ भचमडिभंभुप्रउमसिउ॥ उमपीप्रकडिनिदिदि
पुताभ्री॥ उठवभयिभभासिउ॥ भवउभभ्रपाप्रकडि
यउयउउ॥ ॥ मपिगयथापएसगवदव॥ भद्रिकग॥ भन्प
भकर॥ भद्रिकगभभुउ॥ प्रभुभुभभ्रवठवतिवुवदुव

भागना ठववलनं सुसुसुसिलिपुनं मभत्रिरसुकगमेभ्रभ्रः॥
 परभकगलभडिकयराभि॥ उषभवेधं परभकगलभ्रभ्रभ्रापि
 एणीववमभ्रविकुमललभभ्रकेगभीतिमिह्रु॥ उषभोपरिपि
 दोगपिप्रयतिवेरिहमिह्रुमवहाएतयषावेदेतिमउपडिध
 मरिह्रुभ्रयंप्रह॥ उयमभ्रपरभ्रः परप्रभ्रभ्रदंयउ॥ प्रभ्रव
 परप्रभ्रभ्रभ्रविषयेभा॥ द॥ मउठरेप्रहउमोपरभ्र उडउ॥
 मरिह्रुमयवदप्रउतिभ्रमभ्रविह्रु॥ उमोएभ्रभ्रह्रु॥ प्रयति
 विविणयभाभ्रह्रुमुह्रुविह्रुमयाविह्रुमउठ॥ भायाविभ्र

श्री.

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

दिउन॥ भंदी गत्रु ॥ भाण कलभ सं मयै गउ ॥ कुउं रंरठ सुमी
 रं यकु कु ॥ पग प॥ भ॥ उं धं पग वं भं भन कृषं भं एं गु ॥ विउरिउ
 उंर विरं ठग रुं कि प्र कं ॥ कुउ विरं उ रिअत्र प ॥ द ॥ वध मेष प
 वा पं पि कुउ प्र प्र विरुं वृ प्र वि प्र वि ॥ देउ भ म रिउ भं हं पि ॥ उं हं मि हं उ
 ल हं ॥ म हं पी उि भं चं प रि ॥ भि रं हं प्रे उि ॥ कं ग ल र दि कं द भ वि
 पुं र कं द ॥ कं ग ॥ र म व कृ म य रं रं रं वे वि ध उी उि ॥ म ॥ प कं ॥ उं उि
 भा ॥ ए ठ हं रु प्र भ न गं म प्र हं उं ये वि रु उि प्र व प्र वि प्र ॥ ॥ वं उं यं उ
 प्र व उि प्र व प्र वि प्र उ उि य व ॥ उं प्र उ प्र व रं मेष प्र व म प्र व म रु म र ॥ भ

श्री
 ००

मन॥ अहं डमचष्टा पक भवत्प्रविष्णुयव॥ मचम एदुयं भमम
उर वप्रवेसं विरप्रव डि विरडुम भवताग॥ उपमिषुम डवेगी
डभठगाव॥ मयिभचमिचप्रुं मुइम लिगं प्र डवे डि॥ ॥
चउमवेदिणि एलुमुउडुणि एलुभरद्रा॥ मचयव डिरेकं डुयडु
अवडमचम॥ ॥ ॥ ॥ ॥

